

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति
तारीख: 03 जुलाई, 2026
जारी करने का समय: 1350 घंटे

- विषय: (i) आज, 3 जुलाई 2026 को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून गुजरात के कुछ और हिस्सों, मध्य प्रदेश के बाकी हिस्सों और राजस्थान व हरियाणा के कुछ और इलाकों में आगे बढ़ गया है।
(ii) उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके असर से, अगले 4-5 दिनों तक देश के मध्य हिस्सों में मॉनसून के सक्रिय रहने की संभावना है।
(iii) 3 से 6 जुलाई के दौरान कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में; और 3 व 4 जुलाई 2026 को पश्चिमी मध्य प्रदेश और ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):

- ❖ दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आज, 03 जुलाई 2026 को उत्तरी अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश के बाकी हिस्सों और राजस्थान तथा हरियाणा के कुछ और इलाकों में आगे बढ़ गया है।
- ❖ 03 जुलाई को मॉनसून की उत्तरी सीमा 22°N/60°E, 22°N/65°E, जामनगर, उदयपुर, अजमेर, झुंझुनू, हिसार, भटिंडा और 32.5°N/70°E से होकर गुजरती है।
- ❖ अगले 4-5 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के उत्तरी अरब सागर, गुजरात, हरियाणा और पंजाब के बाकी हिस्सों तथा राजस्थान के कुछ और इलाकों में आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं।

आज, 03 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

- ❖ ओडिशा और गुजरात राज्य में बहुत भारी बारिश (≥ 21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, असम और नागालैंड में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान, कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में 60-125 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, झारखंड, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा और गुजरात राज्य में कुछ जगहों पर 40-60 किमी/घंटा की गति वाली हवाएं चलीं।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान और चेतावनियां (अनुबंध II और III):

- ❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर है और ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है। अगले 2 दिनों में इसके और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है।

- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर, औसत समुद्र तल पर उत्तर-पश्चिम राजस्थान से लेकर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर बने कम दबाव वाले क्षेत्र के केंद्र तक मौसमी ट्रफ (seasonal trough) मौजूद है। निचले और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक स्तरों के बीच लगभग 21°N अक्षांश के साथ शियर ज़ोन।
- ❖ समुद्र तल पर महाराष्ट्र से कर्नाटक तट तक ऑफ-शोर ट्रफ।
- ❖ मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक ट्रफ के रूप में मौजूद है, जिसकी धुरी लगभग 70°E देशांतर और 29°N अक्षांश के उत्तर में है।
- ❖ मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पश्चिम राजस्थान और उसके आस-पास के इलाके में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 3-9 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में; 3 जुलाई और 5-9 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 6-8 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 3 जुलाई और 8-9 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 7-9 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 3-9 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 4 जुलाई को हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3-5 जुलाई और 9 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 4-7 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 3-6 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 3-9 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3-9 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 3-9 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 3 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 4-9 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 3-9 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; 4 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 3 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 3 जुलाई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 3-5 जुलाई और 8-9 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 3-9 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; 6-9 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 3 जुलाई और 8-9 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 7-9 जुलाई के दौरान; पश्चिमी राजस्थान में 3-4 जुलाई के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 8-9 जुलाई के दौरान बारिश की संभावना है। साथ ही, हिमाचल प्रदेश में 6-7 जुलाई के दौरान और पूर्वी राजस्थान में 3-7 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है।
- ❖ 3 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 3 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 3-9 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश की संभावना है।
- ❖ 3-7 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाओं (गति 30-40 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 3-4 जुलाई; पूर्वी मध्य प्रदेश में 7-9 जुलाई; विदर्भ में 6-7 जुलाई; छत्तीसगढ़ में 4-8 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। साथ ही, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 5-9 जुलाई; पूर्वी मध्य प्रदेश में 3-6 जुलाई; विदर्भ में 3-5 जुलाई; छत्तीसगढ़ में 3 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है।
- ❖ 3 और 4 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 3-9 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम में; और 3-8 जुलाई के दौरान झारखंड और ओडिशा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश की संभावना है।
- ❖ 9 जुलाई को झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर; और 3-9 जुलाई के दौरान बिहार में बारिश की संभावना है।
- ❖ 3 से 6 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 3 से 7 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में; 5 से 6 जुलाई के दौरान बिहार में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 3 से 9 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; और 3-4 जुलाई व 7-8 जुलाई को बिहार में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 3 से 7 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और ओडिशा में; 7 से 9 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 3-4 जुलाई, 6 जुलाई और 9 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 3 जुलाई और 5-7 जुलाई को झारखंड में; 5-7 जुलाई के दौरान बिहार में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 5 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 3 और 4 जुलाई को झारखंड में मध्यम से तेज बिजली कड़कने की गतिविधि होने की संभावना है।
- ❖ 3 और 4 जुलाई को ओडिशा में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 3-6 जुलाई और 8-9 जुलाई के दौरान; असम और मेघालय में 4-6 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 7 जुलाई को; असम और मेघालय में 3 जुलाई और 7-9 जुलाई के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 3-9 जुलाई के दौरान काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ असम और मेघालय में 4-5 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 4 जुलाई को; असम और मेघालय में 3 जुलाई और 6-7 जुलाई के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 3-7 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 7 जुलाई को; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 3-7 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ गुजरात क्षेत्र और कोंकण और गोवा में 3-9 जुलाई के दौरान; मध्य महाराष्ट्र में 3-7 जुलाई के दौरान; मराठवाड़ा में 3 जुलाई को; सौराष्ट्र और कच्छ में 3-6 जुलाई के दौरान काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में 8-9 जुलाई के दौरान; मराठवाड़ा में 4-9 जुलाई के दौरान; सौराष्ट्र और कच्छ में 7-9 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- ❖ गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और सौराष्ट्र और कच्छ में 3-4 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में 3-6 जुलाई और 8-9 जुलाई के दौरान; मराठवाड़ा में 3-6 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। गुजरात क्षेत्र में 3-4 जुलाई और 7-8 जुलाई के दौरान; सौराष्ट्र और कच्छ में 3-6 जुलाई और 9 जुलाई को; साथ ही 7 जुलाई को कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है; गुजरात क्षेत्र में 5-6 जुलाई के दौरान; सौराष्ट्र और कच्छ में 7-8 जुलाई के दौरान।
- ❖ 03-06 जुलाई के दौरान कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण गुजरात में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी और अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है; सौराष्ट्र और कच्छ में 03 और 04 जुलाई को।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 3-9 जुलाई के दौरान रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश की संभावना है; 6-9 जुलाई के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में; 4-9 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में।
- ❖ 3-9 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश की संभावना है; 3-5 जुलाई के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में; 3 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में।
- ❖ 3-5 जुलाई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में कहीं-कहीं आंधी, बिजली चमकने और तेज हवाओं (गति 40-50 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है; 3-9 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 3-4 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में।
- ❖ 3-4 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है; 4-9 जुलाई के दौरान केरल और माहे में; 8-9 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 3-8 जुलाई के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 3-4 जुलाई और 8-9 जुलाई के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 3 जुलाई को तेलंगाना में; साथ ही 3 जुलाई को केरल और माहे में; 3-7 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 5-7 जुलाई के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; और 4-5 जुलाई के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3 जुलाई को केरल और माहे में; 3-4 जुलाई के दौरान लक्षद्वीप में; 3-9 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; और 6-7 जुलाई के दौरान तेलंगाना में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ अरब सागर: 8 जुलाई तक गुजरात, कोंकण, गोवा और कर्नाटक तट के साथ-साथ और उनसे दूर, और उससे सटे पूर्वी-मध्य और उत्तर-पूर्वी अरब सागर में; सोमालिया और ओमान तटों के साथ-साथ और उनसे दूर; और दक्षिण-पश्चिम के कुछ हिस्सों और मध्य अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों (जो उत्तर अरब सागर से सटे हैं) में; साथ ही 3 से 5 जुलाई के दौरान केरल तटों के साथ-साथ और उनसे दूर, और लक्षद्वीप क्षेत्र में।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 7 जुलाई को दक्षिण श्रीलंका तटों और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में; 7 जुलाई तक गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर आंध्र प्रदेश (जो दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों से सटे हैं), उत्तर और मध्य बंगाल की खाड़ी (जो दक्षिण बंगाल की खाड़ी से सटे हैं) और अंडमान सागर में। दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 03 जुलाई से 06 जुलाई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ ओडिशा: अंबाभोना (जिला बरगढ़) 32
- ❖ गुजरात क्षेत्र: वलसाड 25
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: मंगरोल (जूनागढ़) 32
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: मायाबंदर 14
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: राजगढ़ 17
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: बालाघाट 14
- ❖ छत्तीसगढ़: सारंगढ़-बिलाईगढ़ 14
- ❖ विदर्भ: गोंदिया 16
- ❖ कोंकण: मंडनगढ़ (रत्नागिरि) 16
- ❖ मध्य महाराष्ट्र : महाबलेश्वर (सतारा) 19
- ❖ असम: धोलाई 9
- ❖ नागालैंड: थोनोकन्यू (एनजीएल) 7
- ❖ तटीय कर्नाटक: मानकी (जिला उत्तर कन्नड़) 11, कारवार ऑब्सि (जिला उत्तर कन्नड़) 11, अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़) 10
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: कोट्टीगेहारा (जिला चिक्कमगलुरु) 11
- ❖ जम्मू-कश्मीर: उधमपुर 9
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: मवाना (मेरठ) 9
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: कानपुर ऑब्सि (कानपुर सिटी) 10
- ❖ पूर्वी राजस्थान: सांभर 8।

तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ पश्चिमी राजस्थान: जैसलमेर - 80; नागौर - 40; पाली-39
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: दोंडाइचा (धुले) - 74; कलवान (नासिक) - 50
- ❖ हरियाणा, चंडीगढ़: कैथल - 68; हिसार(सादलपुर)- 61
- ❖ पंजाब: फरीदकोट - 63
- ❖ पूर्वी राजस्थान: जयपुर - 56; करौली - 52; अजमेर - 50
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: अशोकनगर - 50; सीहोर - 46; भिंड-44; दतिया - 41;
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: खावड़ा- 50
- ❖ मराठवाड़ा: वैजनाथ (बीड) - 48; अम्बेजोगाई(बीड)-46
- ❖ झारखंड: कांके-रांची - 44;
- ❖ कोंकण और गोवा: रत्नागिरी - 44; माथेरान (रायगढ़)-43
- ❖ गुजरात क्षेत्र:अहमदाबाद -44
- ❖ ओडिशा: अम्फू-सेमिल्डुडा - 43; अम्फू-उदयगिरि - 37
- ❖ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख: रियासी - 43
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: रायबरेली (AWS) - 41
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर - 41;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम - 40।

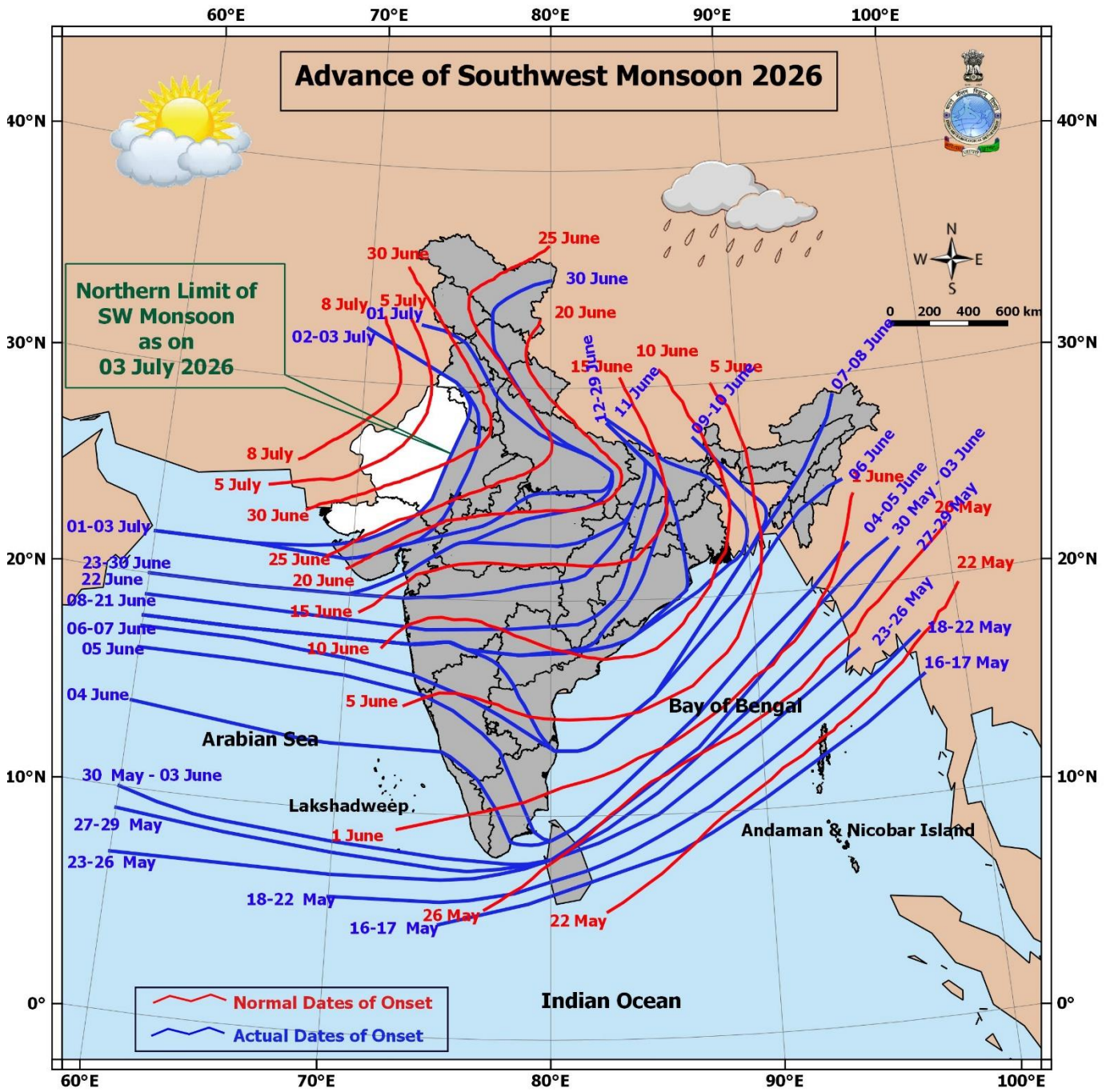
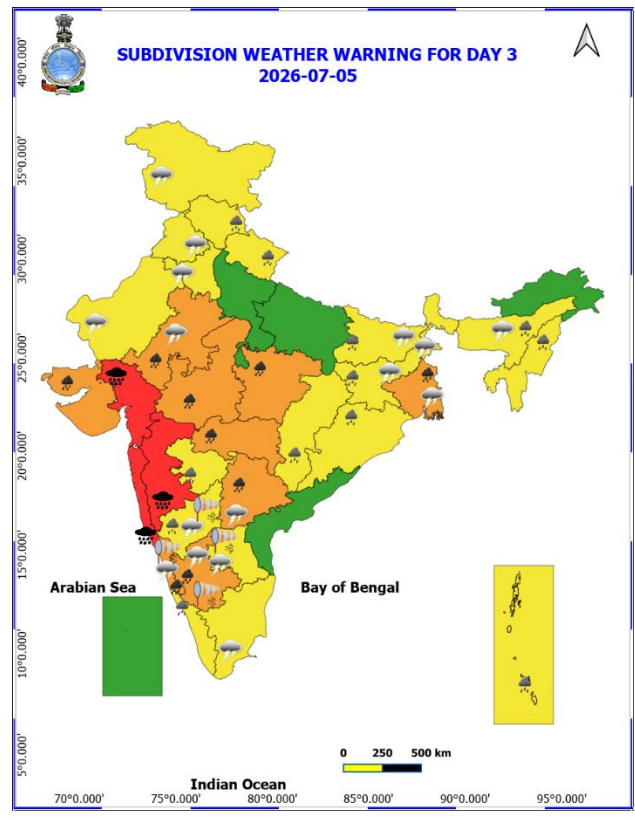
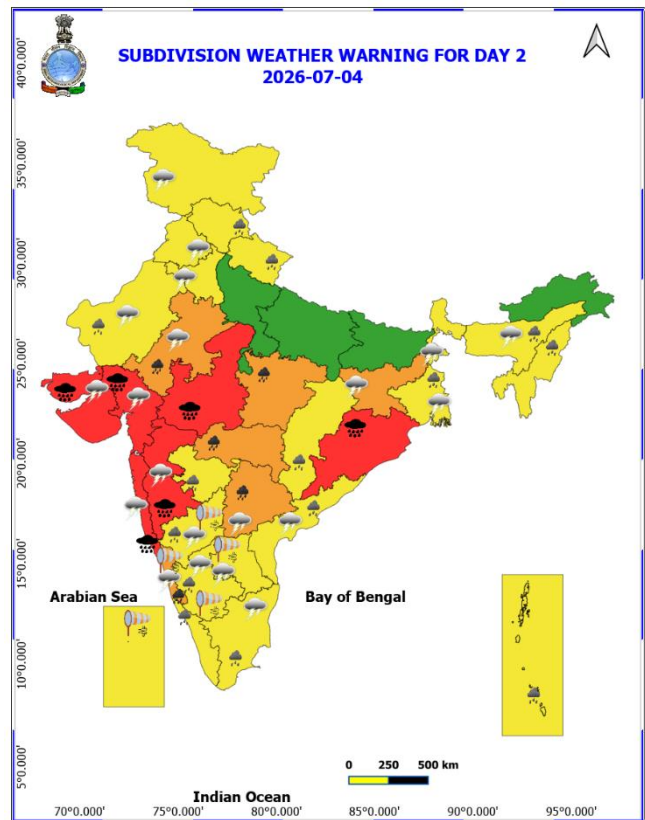
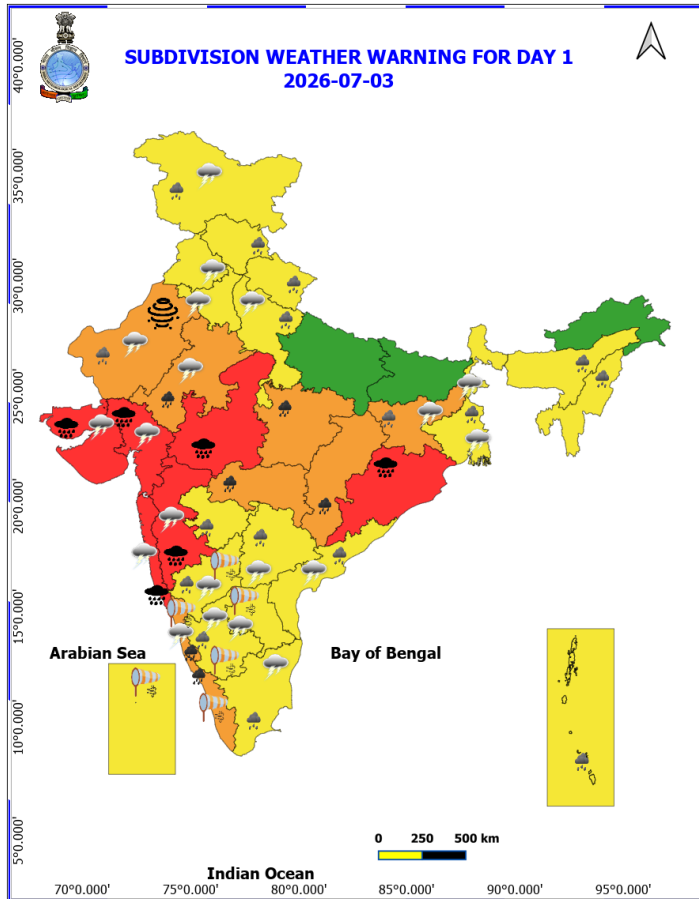
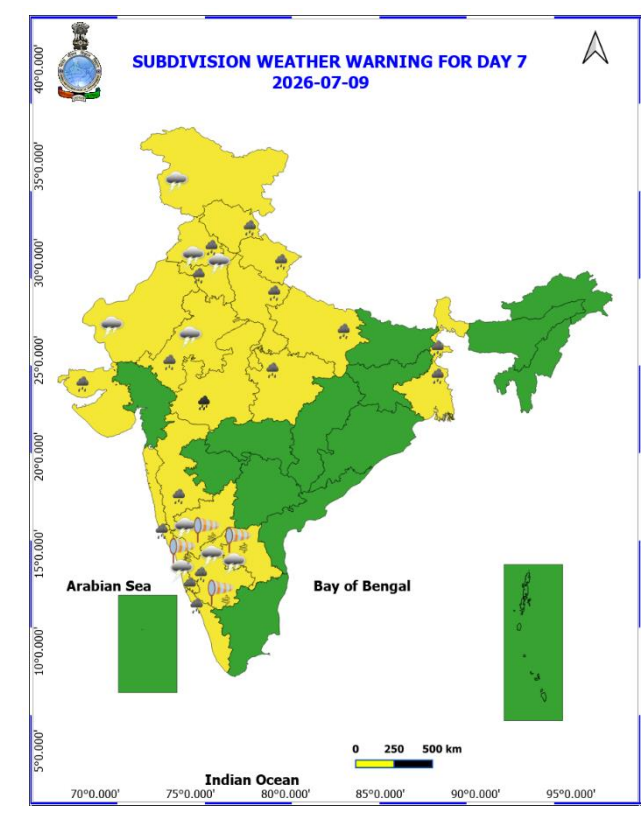
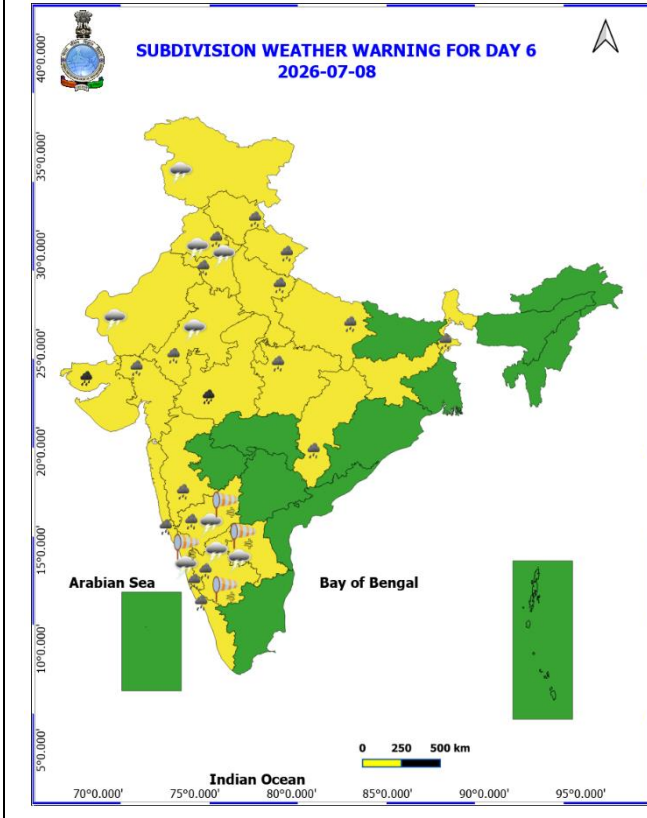
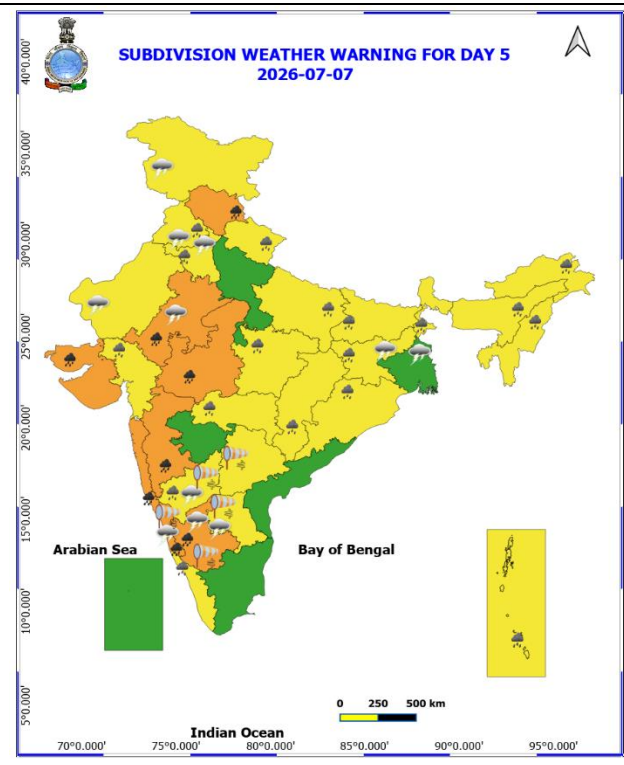
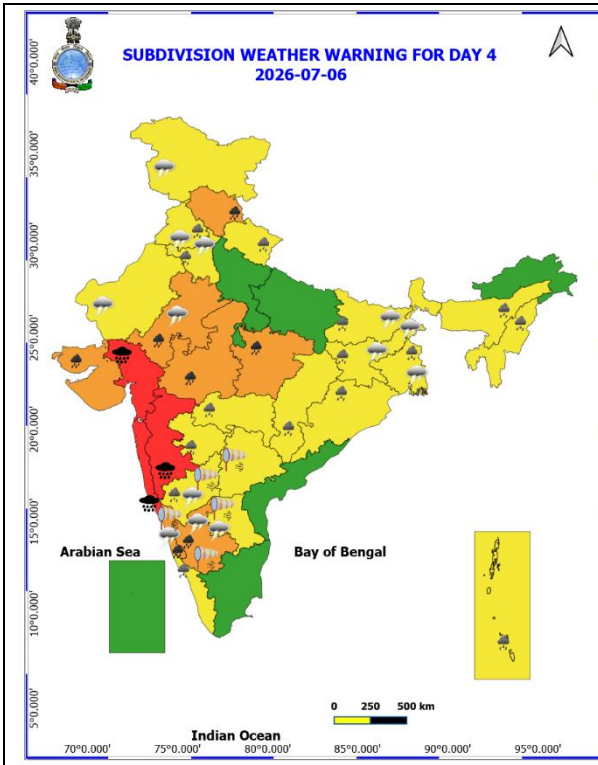


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	3- Jul	4- Jul	5- Jul	6- Jul	7- Jul	8- Jul	9- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS
7	ODISHA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	SCT
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	FWS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

03 जुलाई से 06 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1-2°C की गिरावट और न्यूनतम तापमान में 3-5°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 32-34°C और न्यूनतम तापमान 25-28°C के बीच दर्ज किया गया। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से -1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आमतौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा की गति से सतही हवा चली। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। आज सुबह के समय इस इलाके में दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक की गति से सतही हवा चलने और आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

03.07.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और दोपहर के बाद आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के समय बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने/30-40 किमी/घंटा (जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) की तेज हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-36°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक की गति से सतही हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

04.07.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में कुछ जगहों पर दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की या हल्की बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और 30-40 किमी/घंटा (जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) की तेज हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34°C से 36°C और न्यूनतम तापमान 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से पूर्वी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 22 किमी/घंटा (पूर्वी दिशा से) हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 20 किमी/घंटा (पूर्वी दिशा से) हो जाएगी।

05.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर से पहले के समय कई जगहों पर बहुत हल्की या हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) की तेज हवाएं चल सकती हैं। शाम/रात के समय फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्वी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा (पूर्वी दिशा से) हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

06.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह या दोपहर से पहले बहुत हल्की से हल्की बारिश, आंधी या बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31°C से 33°C और न्यूनतम तापमान 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी

गति 20 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

धूल उड़ाने वाली ज़मीनी हवाओं के साथ आंधी, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियां टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियां गिरना, नुकसान...

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ कहीं-कहीं आंधी-तूफान की संभावना और उससे जुड़े सुझाव

- ❖ 3 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में तेज़ हवाओं के साथ तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है। 3 और 4 जुलाई को झारखंड में मध्यम से तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी टहनियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ टहनियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और हो सके तो यात्रा न करें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न खड़े हों।
- ❖ बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- ❖ तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव

- ❖ 3 और 4 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश और ओडिशा में; 3 से 6 जुलाई के दौरान कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण गुजरात में; और 3 और 4 जुलाई को राष्ट्र और कच्छ क्षेत्र में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ मुख्य रूप से शहरी इलाकों में सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और अंडरपास बंद होने की स्थिति।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ कमज़ोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना है। □ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ का बहाव/ज़मीन धंसने जैसी घटनाएं।
- ❖ पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ कुछ नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदी में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के बारे में जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- ❖ अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफिक जाम की स्थिति देख लें।
- ❖ इस संबंध में जारी ट्रैफिक सलाहों का पालन करें।
- ❖ अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या वाले इलाकों में जाने से बचें।
- ❖ कमज़ोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **असम** में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक, हल्दी, सब्जियाँ, केले, खट्टे फलों और पपीते से अतिरिक्त पानी को जल्दी निकालने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। भारी बारिश के दौरान साली धान की नर्सरी में बुवाई और जूट, मक्का व सब्जियों की बुवाई न करें। पहले से बोए गए क्षेत्र को प्राकृतिक मल्लिचंग सामग्री जैसे पुआल, खेत के अवशेष आदि से ढक दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे यांत्रिक सहारा दें।
- **मेघालय** में, धान की नर्सरी, मक्का, अदरक, लोबिया, सब्जियों के खेतों और केले के बागानों में पानी की निकासी के लिए सही चैनल बनाएं। छोटे पौधों को भारी बारिश से बचाएं। भारी फलों वाले पौधों को सहारा देने के लिए प्रॉपिंग (बांस या लकड़ी के खंभे) का इस्तेमाल करें।
- **नागालैंड** में, मुख्य खेत में बैंगन की रोपाई में देरी करें। जो पौधे पहले ही लगाए जा चुके हैं, उनके लिए मक्का, सब्जियों और बागों के खेतों में और उनके आसपास पानी की सही निकासी बनाए रखें।
- **मणिपुर** में, भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें। सोयाबीन, मिर्च, अदरक, हल्दी, केले और अन्य फसलों के खेतों के साथ-साथ नए लगाए गए पौधों और नर्सरी की फसलों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- **मिज़ोरम** में, धान के खेतों के चारों ओर पानी की निकासी के लिए चैनल बनाएं और बीजों को ढकने के लिए घास की मलच का इस्तेमाल करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से गिरे हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए प्रॉपिंग करें।
- **त्रिपुरा** में, भारी बारिश के दौरान धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।

- **ओडिशा** में, भारी बारिश के दौरान मूंग की बुवाई न करें। धान, मक्का, मोटे अनाज (मिलेट्स) और दाल वाली फसलों के खेतों और फलों के बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, जलभराव को रोकने के लिए मक्का, रागी (फिंगर मिलेट) और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी के लिए सही चैनल बनाए रखें।
- **उत्तराखंड** में, धान, मक्का, टमाटर, मिर्च, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट) और रागी (फिंगर मिलेट) के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए खेत में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग और उड़द की तैयार फसलों की कटाई और मड़ाई पूरी करें और उपज को सूखी जगह पर रखें।
- **मध्य प्रदेश** में, तैयार मूंग, सब्जियों और फलों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित जगह पर रखें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान और सब्जियों की नर्सरी में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- **गुजरात** में, धान की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकाल दें; गन्ने, भिंडी, सब्जियों, रतालू और चीकू के बागों के खेत।
- **कोंकण** में, धान, रागी और सब्जियों की नर्सरी में बुवाई; मूंगफली और कद्दू-वर्गीय सब्जियों की बुवाई; और आम, नारियल, काजू और सुपारी जैसे नए बाग लगाने का काम अभी न करें। धान और रागी की नर्सरी और धान व सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- मध्य **महाराष्ट्र** के घाट इलाकों में, धान और रागी की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने का इंतज़ाम करें।
- **विदर्भ** में, सब्जियों की नर्सरी और फलों के बागों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- **केरल** में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। केले के पौधों को सहारा दें और सब्जी की फसलों के पंजालों को मज़बूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।
- **कर्नाटक** में, पानी जमा होने से रोकने के लिए धान की क्यारियों, धान के खेतों, सुपारी और नारियल के खेतों और फलों के बागों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- **राजस्थान, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और अंडमान-निकोबार** जैसे भारी बारिश की संभावना वाले इलाकों में, खड़ी फसलों में सिंचाई न करें और खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

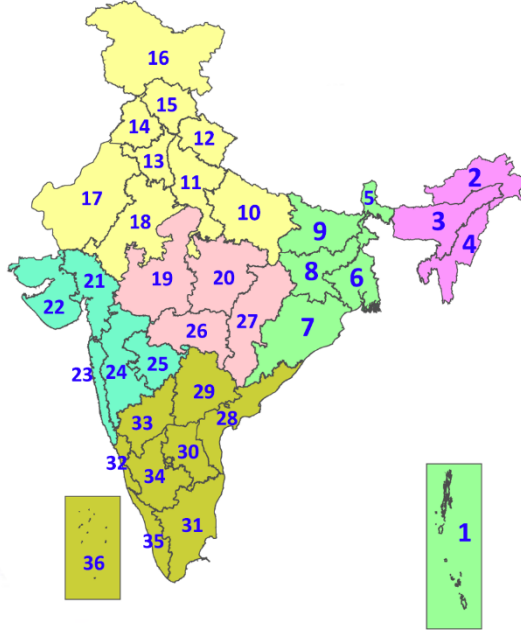
- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ\text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)